सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

कुशल भारत द्वारा उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पीएमकेवीवाई 3.0 के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए अपनी तरह की पहली क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

8 अप्रैल, 2021, गंगटोक: आज उत्तर-पूर्व क्षेत्र (एनईआर) के युवाओं को उद्योग-संगत कौशल के साथ सशक्त बनाने के विज़न के साथ उनकी उत्पादकता बढ़ाने और देश के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने गंगटोक, सिक्किम में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (एनईआर) पीएमकेवीवाई 3.0 के लिए अपनी तरह की पहली क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला सभी आठ राज्यों- सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा के राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएमएस) और जिला कौशल समितियों (डीएससी) के प्रमुख कर्मियों की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित की गई थी। उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों से सीखने, पीएमकेवीवाई 3.0 से संबंधित चुनौतियों को समझने और तकनीकी मंच - स्किल इंडिया पोर्टल (एसआईपी) के उपयोग पर विस्तृत समझ बनाने के उद्देश्य से कार्यशाला में केंद्र और राज्य सरकार के प्रमुख अधिकारियों की भागीदारी देखी गई।

श्री सतीश चंद्र राय, सलाहकार, कौशल विकास विभाग, सिक्किम राज्य सहित प्रतिष्ठित गण्यमान्य व्यक्ति; श्री प्रवीण कुमार, सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), श्री अतुल कुमार तिवारी, अपर सचिव, एमएसडीई; एनएसडीसी के एमडी एवं सीईओ डॉ. मनीष कुमार, श्री संजीव कुमार संयुक्त निदेशक (कौशल विकास), एमएसडीई; श्रीमती गंगा देवी प्रधान, सचिव, कौशल विकास विभाग, सिक्किम सरकार; दूसरों के बीच उनकी भागीदारी के साथ कार्यशाला की शोभा बढ़ाई । विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) ने भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यशाला में भाग लिया।

अपने विचार साझा करते हुए **श्री प्रवीण कुमार, सचिव, एमएसडीई** ने कहा, "हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक्ट ईस्ट' विजन के तहत उत्तर-पूर्व क्षेत्र के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। एनईआर क्षेत्र के समग्र विकास को आगे बढ़ाने के लिए सरकार के अथक प्रयासों के साथ गठबंधन करते हुए आज की कार्यशाला में सभी आठ राज्यों में कौशल विकास के प्रयासों के दायरे और प्रभाव को बढ़ाने की कल्पना की गई है ताकि उत्तर-पूर्व भारत में युवाओं को भविष्य की नौकरियों के लिए उद्योग के लिए तैयार किया जा सके। आज की चर्चा स्थानीय प्राधिकरणों और प्रमुख शिक्षाओं के सामने आने वाली बाधाओं तथा प्रमुख सीखों को समझने में भी सहायक रही जिससे हमें पीएमकेवीवा 4.0 स्कीम की और भी बेहतर विकसित करने में मदद मिलेगी।"

उद्योग 4.0 के अनुरूप भविष्य-प्रासंगिक कौशल प्रदान करने और एनईआर में युवाओं को टिकाऊ आजीविका के अवसरों का पता लगाने और सरकार की 'स्थानीय' योजना को बढ़ावा देने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। देश में कौशल विकास की सभी पहलों में तालमेल बिठाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच रचनात्मक संवाद मौलिक है। पीएमकेवीवाई 3.0 राज्यों और जिलों की बढ़ी हुई भागीदारी के साथ प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में एक क्रांतिकारी बदलाव को दर्शाता है। विभिन्न क्षेत्रों की तेजी से बदलती जरूरतों को अपनाने के लिए मांग आधारित तरजीही प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटन से एनईआर में युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।

श्रीमती गंगा देवी प्रधान, सचिव, कौशल विकास विभाग, सिक्किम सरकार ने कहा - "उत्तर-पूर्व राज्य अपनी समृद्ध प्राकृतिक के साथ-साथ कृषि जलवायु संसाधनों, विविध संस्कृति और देशी ट्रेडों के मामले में अद्वितीय हैं और इसलिए एसएसडीएम और डीएससी का सहयोग पीएमकेवीवाई 3.0 के अच्छी तरह से करवाया कार्यान्वयन के लिए आवश्यक है। इस कार्यशाला ने यह स्थापित किया है कि उनकी जानकारी और अंतर्दृष्टि योजना की

सफलता में अभिन्न भूमिका निभाएगी। इसलिए हम सभी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम सेना में शामिल हों और न केवल एनईआर की कलाओं और शिल्प और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करें बल्कि एक लचीला और विपुल कार्यबल बनाने के लिए कौशल इको सिस्टम को भी मजबूत करें।"

पीएमकेवीवाई 3.0 पर दिन भर की कार्यशाला के दौरान विभिन्न स्कीमों और कार्यक्रम, प्रबंधन संरचनाओं और प्रक्रियाओं, बुनियादी ढांचे में वृद्धि और इन पहलों में सामने आने वाली स्थानीय चुनौतियों पर चर्चा की गई। सत्र के दौरान सभी आठ राज्य टीमों के साथ व्यापक चर्चा हुई, जहां राज्य के अधिकारियों ने अपनी बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, अपनी कठिनाइयों को साझा किया और युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्राप्त करने में मदद करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता से अवगत कराया जो उन्हें भविष्य में रोजगार के लिए तैयार करती हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्षण स्कीम (एनएपीएस), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), आईटीआई जैसी अन्य स्कीमों के साथ-साथ अन्य स्कीमों के बारे में भी विचार-विमर्श किया गया। देश में बेहतर मानकीकृत कौशल इकोसिस्टम के माध्यम से 1.21 करोड़ से अधिक युवाओं को सफलतापूर्वक उन्मुख किया गया है।

कार्यशाला में सभी आठ राज्यों के सभी डीएससी चर्चा में शामिल थें जो वर्चुअल कार्यशाला से जुड़े हुये थे। एसएसडीएमएस और डीएससी दोनों ने पीएमकेवीवाई 4.0 के लिए अपने सुझाव भी दिए, जिन्हें एमएसडीई के अपर सचिव और उनकी टीम ने सराहना की और नोट किया। इस कार्यशाला की सफलता के बाद, आने वाले महीनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी और कार्यशालाएं आयोजित की जानी हैं। इस स्कीम को चलाने के लिए एसएसडीएम और डीएससी जरूरी हैं और उनकी इनपुट तथा चुनौतियों की समझ प्रभावी ढंग पीएमकेवीवाई 3.0 को चलाने और पीएमकेवीवाई 4.0 को बेहतर स्कीम विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

<u>कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में</u>

भारत सरकार द्वारा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय का गठन 9 नवंबर, 2014 कौशल की रोजगारपरकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, एमएसडीई ने नीति, ढांचे और मानकों को औपचारिक रूप देने के मामले में महत्वपूर्ण पहल और सुधार; नए कार्यक्रमों और योजनाओं का शुभारंभ; नए बुनियादी ढांचे का निर्माण और मौजूदा संस्थानों का उन्नयन; राज्यों के साथ भागीदारी; उद्योगों के साथ जुड़ना और कौशल के लिए सामाजिक स्वीकृति और आकांक्षाओं का निर्माण करना। मंत्रालय का उद्देश्य न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए बल्कि सृजित की जाने वाली

नौकरियों के लिए नए कौशल और नवाचार के निर्माण के लिए कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को पाटना है। अब तक कुशल भारत के तहत 5.5 करोड़ के लगभग लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। देश में बेहतर मानकीकृत कौशल इकोसिस्ट्म के माध्यम से अपनी महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत पीएमकेवीवाई 1.0 और पीएमकेवीवाई 2.0 से अधिक युवाओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित/उन्मुख किया गया है।

कौशल विकास के बारे में अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

Facebook: www.facebook.com/SkillIndiaOfficial;

Twitter: @MSDESkillIndia

YouTube: https://www.youtube.com/channel/UCzNfVNX5yLEUhIRNZJKniHg